

25/3/22

घण्टावली पेश किये कई बार भावाज दिल्ली गई, कभी  
 वाकी लपे वादीगण भंडा। मला! घण्टावली मादम बजिरी  
 व भक्त पेखी म. म्याजि नी जाती है। घण्टावली  
 फ्रेशल शुभ्र धेकर वरु लकरील वाखिल फटा है।



21/7  
 राजेश क. शिखरी  
 कलकत्ता (जयपुर)